	PARISHRAM PUBLICATIONS	
Std.: X (English)	Hindi	Marks: 80
Date: 20-Dec-2019	Parishram Academy	Time: 3 hrs
	Chapter: All	

विभाग १ - गदय : 20 अंक

Q.1 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः-

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

1) परिच्छेद में प्रयुक्त गहनों के नाम हैं - ______ , ______

Ans. टीका, नथुनी, बिछिया

2) अम्मा को शादी में चढ़ावे के नाम पर मिले थे - ______

Ans. अम्मा को शादी में चढ़ावे के नाम पर मिले थे - **पाँच ग्राम सोने के गहने**

बाबू जी का एक तरीका था, जो अपने आप आकर्षित करता था। वे अगर सीधे से कहते - सुनील, तुम्हें खादी से प्यार करना चाहिए, तो शायद वह बात कभी भी मेरे मन में घर नहीं करती पर बात कहने के साथ - साथ उनके अपने व्यक्तित्व का आकर्षण था, जो अपने में सामने वाले को बाँध लेता था। वह स्वतः उनपर अपना सब कुछ निछावर करने पर उतारू हो जाता था।

अम्मा बताती हैं - हमारी शादी में चढ़ावे के नाम पर सिर्फ पाँच ग्राम सोने के गहने आए थे, लेकिन जब हम विदा होकर रामनगर आए तो वहाँ उन्हें मुँह दिखाई में गहने मिले। सभी नाते - रिश्तेवालों ने कुछ - न - कुछ दिया था। जिन दिनों हम लोग बहादुरगंज के मकान में आए, उन्ही दिनों तुम्हारे बाबू जी के चाचा जी को कोई घाटा लगा था। किसी तरह से बाकी का रूपया देने की जिम्मेदारी हमपर आ पड़ी - बात क्या थी, उसकी ठीक से जानकारी लेने की जरूरत हमने नहीं सोची और न ही इसके बारे में कभी कुछ पूछताछ की।

एक दिन तुम्हारे बाबू जी ने दुनिया की मुसीबतों और मनुष्य की मजबूरियों को समझाते हुए हम हमसे गहनों की माँग की तो क्षण भर के लिए हमें कुछ वैसा लगा और गहना देने में तनिक हिचकिचाहट महसूस हुई पर यह सोचा कि उनकी प्रसन्नता में हमारी खुशी है, हमने गहने दे दिए। केवल टीका, नथुनी, बिछिया रख लिए थे। वे हमारे सुहागवाले गहने थे। उस दिन तो उन्होंने कुछ नहीं कहा, पर दूसरे दिन वे अपनी पीड़ा न रोक सके। कहने लगे - "तुम जब मिरजापुर जाओगी और लोग गहनों के संबंध में पूछेंगे तो क्या कहोगी ?"

हम मुसकाईं और कहा - "उसके लिए आप चिंता न करें। हमने बहाना सोच लिया है। हम कह देंगी कि गांधीजी के कहने के अनुसार हमने गहने पहनने छोड़ दिए हैं। इसपर कोई भी शंका नहीं करेगा।" तुम्हारे बाबू जी तनिक देर चुप रहे, फिर बोले - "तुम्हें यहाँ बहुत तकलीफ हैं, इसे मैं अच्छी तरह समझता हूँ। तुम्हारा विवाद बहुत अच्छे, सुखी परिवार में हो सकता था, लेकिन अब जैसा है वैसा है। तुम्हें आराम देना तो दूर रहा, तुम्हारे बदन के भी सारे गहने उतरवा लिए।"

हम बोलीं - "पर जो असल गहना है वह तो है। हमें बस वही चाहिए। आप उन गहनों की चिंता न करें। समय आ जाने पर फिर बन जाएँगे। सदा ऐसे ही दिन थोड़े रहेंगे। दुख - सुख तो सदा ही लगा रहता है।"

A2) i) निम्नलिखित वाक्य सत्य या असत्य हैं पहचानकर लिखिए :- 1

1) लेखक की अम्मा ने अपने गहने देने से मना किया।

Ans. असत्य

2) शास्त्री जी का व्यक्तित्व सामने वाले को बाँध लेता था ।

Ans. सत्य

ii) उचित जोड़िया मिलाइए 1

'अ' गट	'ब' गट
१. बाबू जी के चाचाजी	अ) लाल बहादुर शास्त्री
२. आकर्षक व्यक्तित्व	ब) लेखक सुनील शास्त्री

	क) घाटा होना.

Ans.

'अ' गट	'ब' गट
१. बाबू जी के चाचाजी	अ) घाटा होना.
२. आकर्षक व्यक्तित्व	ब) लाल बहादुर शास्त्री

A3) i) लिंग पहचानकर लिखिए :- 1

1) खुशी - ....

Ans. खुशी - **स्त्रीलिंग**

2) गहना - ....

Ans. गहना - **पुल्लिंग**

ii) परिच्छेद में से दो भाववाचक संज्ञा चुनकर लिखिए। 1

१. .... २. ....

Ans. १. खुशी २. आराम

A4) स्वमत :- 2

"व्यक्ति का सम्मान पद प्रतिष्ठा से नहीं वरन गुणों से होता है" पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

Ans. शास्त्री जी पुलिसमंत्री और प्रधानमंत्री के पद पर कार्यरत रहे परंतु उन्होंने सच्चाई और ईमानदारी वे साथ नहीं छोड़ा। गरीबी में जीवन बिताया परंतु बेईमानी नहीं की इसी कारण वे आज समाज के आगे आदर्श बन सके हैं जबकि राजनेता बेईमानी और भ्रष्टाचार के दलदल में फँसकर अपना सम्मान खो देते है। इसलिए सच है अच्छे गुणों से ही व्यक्ति समाज में सम्मान प्राप्त कर सकता है।

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ाः-

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

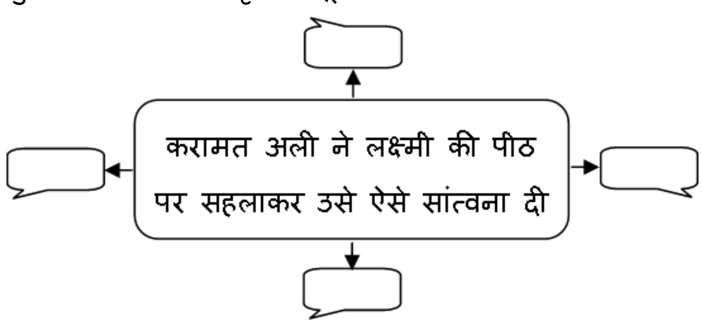

Ans. i. माफ कर लक्ष्मी|
ii. रहमान बड़ा मूर्ख है|
iii. तू-भी बूढ़ी हो गई है|
iv. यह तेरा आखिरी बरस होता|

उस दिन लड़के ने तैश में आकर लक्ष्मी की पीठ पर चार डंडे बरसा दिए थे । वह बड़ी भयभीत और घबराई थी । जो भी उसके पास जाता, सिर हिला उसे मारने की कोशिश करती या फिर उछलती-कूदती, गले की रस्सी तोड़कर खूँटे से आजाद होने का प्रयास करती ।

करामत अली इधर दो-चार दिनों से अस्वस्थ था । लेकिन जब उसने यह सुना कि रहमान ने गाय की पीठ पर डंडे बरसाए हैं, तो उससे रहा नहीं गया । वह किसी प्रकार चारपाई से उठकर धीरे-धीरे चलकर बथान में आया । आगे बढ़कर उसके माथे पर हाथ फेरा, पुचकारा और हौले-से उसकी पीठ पर हाथ फेरा । लक्ष्मी के शरीर में एक सिहरन-सी दौड़ गई ।

"ओह! कंबख्त ने कितनी बेदर्दी से पीटा है ।"

उसकी बीबी रमजानी बोली-"लो, चोट की जगह पर यह रोगन लगा दो । बेचारी को आराम मिलेगा ।"

करामत अली गुस्से में बोला-"क्या अच्छा हो अगर इसी लाठी से तुम्हारे रहमान के दोनों हाथ तोड़ दिए जाएँ । कहीं इस तरह पीटा जाता है ?"

रमजानी बोली-"लक्ष्मी ने आज भी दूध नहीं दिया ।"

"तो उसकी सजा इसे लाठियों से दी गई ?"

"रहमान से गलती हो गई, इसे वह भी कबूलता है ।"

रमजानी कुछ क्षण खड़ी रही फिर वहाँ से हटती हुई बोली-"देखो, अपना ख्याल रखो। पाँव इधर-उधर गया तो कमर सिंकवाते रहोगे ।"

करामत अली ने फिर प्यार से लक्ष्मी की पीठ सहलाई । मुँह-ही-मुँह में बड़बड़ाया-"माफ कर लक्ष्मी, रहमान बड़ा मूर्ख है । उम्र के साथ तू भी बुढ़ा गई है । डेयरीफार्म के डॉक्टर ने तो पिछली बार ही कह दिया था, यह तेरा आखिरी बरस है । अब तेरी बेटी की सेवा करेंगे और आगे वह भी हमें फायदा देगी ।"

A2) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

1) 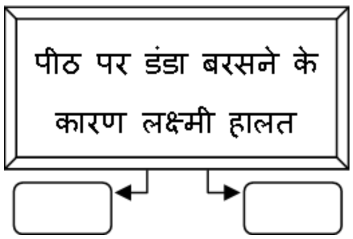

Ans.

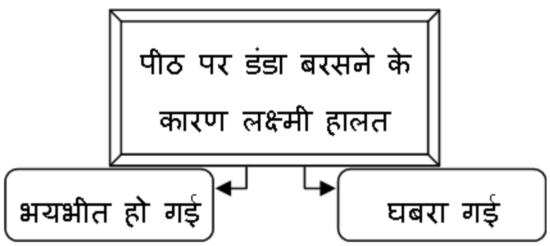

2) 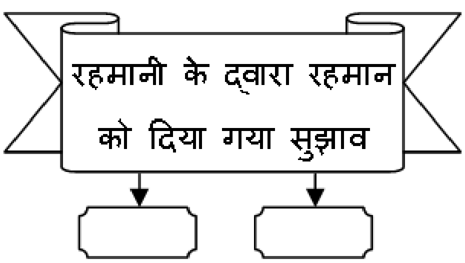

Ans. i. अपना ख्याल रखो|

ii. पाँव इधर उधर न पड़े

A3) परिच्छेद में आए शब्द युग्म लिखिए :- 2

1) इधर -

Ans. इधर - **उधर**

2) दो -

Ans. दो - **चार**

A4) स्वमत :- 2

आपका प्यारा पालतू कुत्ता आपको बहुत प्रिय है| किसी कारण वश आप अपने परिवार, सहित तीन दिन के लिए बाहर जा रहे है, कुत्ते को नहीं ले जा सकते है, क्या करेंगे?

Ans. पशु, पक्षी आदमियों से भी अधिक वफादार होते हैं| मेरे मामा का लड़का प्राय: मेरे घर आता है| जब मैं अपने प्यारे (मल्लू) पालत कुत्ते को प्यार से भोजन कराता हूँ| तब वह साथ में बैठकर उसे प्यार करता है और भोजन के समय तथा तरीके से परिचित है| उसी के घर छोड़कर जाऊँगा ताकि मल्लू को उचित समय पर और उचित रूप से भोजन हो सके|

(इ) **निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियॉ कीजिए :-**

1 **A1)** i) पद्यांश में प्रयुक्त दो भाषाओं के नाम लिखिए | 1

१. .... २. ....

Ans. १. हिंदी २. ऊर्दू

ii) उत्तर लिखिए :- 1

लखनऊ इसके लिए विश्वप्रसिद्ध है।

Ans. १. दशहरी आम के बाग
२. लजीज व्यंजन
३. चिकन की कढ़ाई

> भारत के सर्वाधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ है। लखनऊ उस क्षेत्र में स्थित है जिसे ऐतिहासिक रूप से अवध क्षेत्र के नाम से जाना जाता है। यह हमेशा से बहु सांस्कृतिक शहर रहा है। नजाकत और तहज़ीब वाली यह नगरी दशहरी आम के बाग, लज़ीज व्यंजन तथा चिकन की कढ़ाई के लिए विश्व प्रसिद्ध है। यह हिंदी और ऊर्दू साहित्य के केंद्रो में से एक है। ऐतिहासिक दृष्टि से भी लखनऊ को विशिष्ट स्थान प्राप्त है। इन नगरी में छोटा इमाम बाड़ा, बड़ा इमामबाड़ा रेजीडेंसी, शहीद स्मारक जैसे प्रमुख दर्शनीय स्थल है।

A2) स्वमत :- 2

'ताजमहल' के विषय में पाँच - छह वाक्य लिखिए।

Ans. ताजमहल विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्मारक है। संसार के आठ आश्चर्यों में ताजमहल को स्थान प्राप्त है। मुगल बादशाह शाहजहाँ ने अपनी बेगम मुमताज की स्मृति में बनवाया था। ताजमहल सफेद संगमरमर पत्थर से बनाया गया है। ताजमहल शरद पूर्णिमा की रात कों चंद्रमा की चाँदनी में अत्यंत भव्य एवं सुंदर दिखाई देती है। ताजमहल को देखने के लिए देश - विदेश से लोग आते है। ताजमहल के चारों ओर बने बगीचे इसकी सुंदरता में चार चाँद लगा देते है। ताजमहल के पास यमुना नदी भी बहती है।
इस तरह ताजमहल अत्यंत सुंदर इमारत है।

विभाग २ - पदय : 12 अंक

Q.2 (अ) **निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः-** **(6)**

1 **A1)** i) वाक्य पूर्ण कीजिए | 1

1) जोड़कर कण-कण उसी के, ... (सदन का निर्माण कर लूँ / नीड़ का निर्माणकर लूँ |)

Ans. जोड़कर कण-कण उसी के, **नीड़ का निर्माणकर लूँ |**

2) यंत्रवत जीवित बना है | .... (माँगते अधिकार सारे / आज अपनी जीत-हारे)

Ans. यंत्रवत जीवित बना है | **माँगते अधिकार सारे ।**

ii) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 1

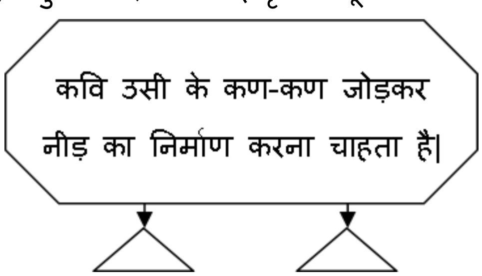

Ans.

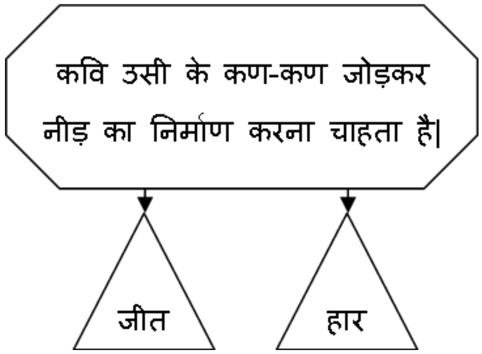

> यंत्रवत जीवित बना है, माँगते अधिकार सारे,
> रो रही पीड़ित मनुजता, आज अपनी जीत हारे,
> जोड़कर कण-कण उसी के, नीड़ का निर्माण कर लूँ ।
> उस कृषक का गान कर लूँ ।।

A2) i) एक-एक शब्द में उत्तर लिखिए :- 1

1) जिस व्यक्ति को पीड़ा पहुँचाई जाती है | (दुखी / पीड़ित)

Ans. जिस व्यक्ति को पीड़ा पहुँचाई जाती है | - **पीड़ित**

2) चिड़ियों के घर को कहा जाता है | (आवास / नीड़)

Ans. चिड़ियों के घर को कहा जाता है | - **नीड़**

ii) रिक्त स्थानों की पूर्ति करो । 1

1) .... जीवित बना है, माँगते अधिकार सारे, (यंत्रवत / पालित)

Ans. **यंत्रवत** जीवित बना है, माँगते अधिकार सारे,

2) रो रही .... मनुजता, आज अपनी जीत हारे, (दुखी / पीड़ित)

Ans. रो रही **पीड़ित** मनुजता, आज अपनी जीत हारे,

A3) स्वमत :- 2

उपर्युक्त पद्यांश का सरल हिंदी में भावार्थ लिखिए |

Ans. **भावार्थ** - कवि कृषक की वेदना स्पष्ट करते हुए कहता है कि किसान दिन-रात मशीन की तरह काम में लगा रहता है | वह अपने अधिकार की माँग करते हुए ही जीवित रहता है | परंतु उसे अधिकार नहीं मिल पाता | उसके साथ मानवता का हनन होता है | वह अपनी जीत को भी हार जाता है | कवि का कथन है कि उसी जीत को भी हार के कण - कण को जोड़कर एक नीड़ का निर्माण करना चाहता है | वह कृषक का गान करके उसका सम्मान करना चाहता है |

(आ) निम्नलिखित पठित पदयांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :- (6)

1 **A1)** i) विपरीतार्थक शब्द (विलोम) लिखिए :- 1

1) मूर्ख × ☐

Ans. मूर्ख × **चतुर**

2) कुराज × ☐

Ans. कुराज × **सुराज**

ii) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 1

1) निम्न अर्थ कॉ प्रकट करने वाली पंक्तीयापद्यांश से चुनकर लिखिए :
चतुर किसान अपनी खेती निराते है ....

Ans. चतुर किसान अपनी खेती निराते है **कृषी निरावहि चतुर किसाना**

2) हवा के चलने से नष्ट हो जाते है - ☐

Ans. हवा के चलने से नष्ट हो जाते है - **मेघ**

दादुर धुनि चहुँ दिसा सुहाई | बेद पढ़हिं जनु बटु समुदाई ||
नव पल्लव भए बिटप अनेका | साधक मन जस मिले बिबेका ||
अर्क – जवास पात बिनु भयउ | जस सुराज खल उद्यम गयऊ ||
खोजत कतहुँ मिलइ नहिं धूरी | करइ क्रोध जिमि धरमहिं दूरी ||
ससि संपन्न सोह महि कैसी | उपकारी कै संपति जैसी ||
निसि तम घन खद्योत बिराजा | जनु दंभिन्ह कर मिला समाजा ||
कृषी निरावहिं चतुर किसाना | जिमि बुध तजहिं मोह – मद – माना ||
देखिअत चक्रबाक खग नाहीं | कलिहिं पाइ जिमि धर्म पराहीं ||
विविध जंतु संकुल महि भ्राजा| प्रजा बाढ़ जिमि पाई सुराजा||
जहँ – तहँ रहे पथिक थकि नाना | जिमि इंद्रिय गन उपजे ग्याना ||

कबहुँ प्रबल बह मारुत, जहँ – तहँ मेघ बिलाहीं |
जिमि कपूत के उपजे, कुल सद्धर्म नसाहिं ||
कबहुँ दिवस महँ निबिड़ तम, कबहुँक प्रगट पतंग |
बिनसइ – उपजइ ग्यान जिमि, पाइ कुसंग – सुसंग ||

A2) i) उत्तर लिखिए :- 1

1) पद्यांश में वर्णित डॉ विरोधी युग्म शब्द चुनकर लिखिए

Ans. कुसंग-सुसंग

2) निम्न शब्दो के लिए पद्यांश मे प्रयुक्त शब्द है
पेड - ....

Ans. पेड - **बिटप**

ii) समानार्थी शब्द अनुच्छेद से ढूँढकर लिखिए :- 1

1) मारुत - ....

Ans. मारुत - **हवा**

2) तम - ....

Ans. तम - **अंधेरा**

A3) भावार्थ लिखिए :- 2

निसि तम घन खद्योत बिराजा | जनु दंभिन्ह कर मिला समाजा ||
कृषी निरावहिं चतुर किसाना | जिमि बुध तजहिं मोह – मद – माना ||
देखिअत चक्रबाक खग नाहीं | कलिहिं पाइ जिमि पाई सुराजा ||
जहँ – तहँ रहे पथिक थकि नाना | जिमि इंद्रिय गन उपजे ग्याना ||

Ans. .

विभाग ३ - पूरक पठन : 8 अंक

Q.3 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः- **(4)**

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

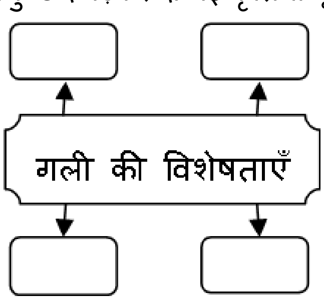

Ans. i. सेंकरी |

ii. तंग |

iii. मकानों की भीड़ |

iv. ऊपर बिजली के तारों पर बैठी चिड़ियाँ |

अंदर की दुनिया

हमारे अंदर की दुनिया बाहर की दुनिया से कहीं ज्यादा बड़ी है । हम उसका विस्तार नहीं करते । बाहर की अपेक्षा उसे छोटा करते चले जाते हैं और उसे बिलकुल निर्जीव कर लेते हैं । आजादी, पूरी आजादी, अगर कहीं संभव है तो इसी भीतरी दुनिया में ही, जिसे हम बिलकुल अपनी तरह समृद्ध बना सकते हैं - स्वार्थी अर्थों में सिर्फ अपने लिए ही नहीं निःस्वार्थी अर्थों में दूसरों के लिए भी महत्त्व रखता है और स्वयं अपने लिए तो विशेष महत्त्व रखता ही है |

-१० मार्च १९९८

मकान पर मकान

जिस गली में आजकल रहता हूँ-वहाँ एक आसमान भी है लेकिन दिखाई नहीं देता | उस गली में पेड़ भी नहीं हैं, न ही पेड़ लगाने की गुंजाइश ही है | मकान ही मकान हैं | इतने मकान कि लगता है मकान पर मकान लदे हैं | लंद-फंद मकानों की एक बहुत बड़ी भीड़, जो एक सँकरी गली में फँस गई और बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं है | जिस मकान में रहता हूँ, उसके बाहर झाँकने से 'बाहर' नहीं सिर्फ दूसरे मकान और एक गंदी व तंग गली दिखाई देती है | चिड़ियाँ दिखती हैं, लेकिन पेड़ों पर बैठीं या आसमान में उड़तीं हुई नहीं | बिजली या टेलीफोन के तारों पर बैठी, मगर बातचीत करतीं या घरों के अंदर यहाँ – वहाँ घोंसले बनाती नहीं दिखतीं | उन्हें देखकर लगता मानो वे प्राकृतिक नहीं, रबड़ या प्लास्टिक के बने खिलौने हैं, जो शायद ही इधर-उधर फुदक सकते हो या चूँ – चूँ की आवाजें निकाल सकते हों |

मैं ऐसी सँकरी और तंग गली में, मकानों की एक बहुत बड़ी भीड़ से बिजली या टेलीफोन के तारों से उलझे आसमान से एवं हरियाली के अभाव से जूझते अपने मुहल्ले से बाहर निकलने की भारी कोशिश में हूँ |

-१० मार्च १९९८

सही साहित्य

सही और संपूर्ण साहित्य वह है, जिसे हम दोनों आँखों से देखते है – सिर्फ बाईं या सिर्फ दाईं आँख से नहीं |

-८ अगस्त, १९९८

A2) स्वमत :- 2

मन की आजादी' पर अपने विचार कीजिए |

Ans. इंसान ने आज अपने मन को स्वार्थो का गुलाम बना लिया है, जो उसे छोटा और निष्क्रिय बना रहे है | मन को पूरी आजादी देने से हम अपने साथ-साथ दूसरों को भी समृद्ध बना सकते है | दिल से स्वार्थ, ईर्ष्या, नफरत जैसे भावों को निकाल कर प्रेम, परोपकार और त्याग से भावों को अपनाएँ | तब मनपूर्ण रूप से आजाद होगा और नि:स्वार्थ भाव से जीवन व्यतीत करेगा |

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः- **(4)**

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

वर्गीकरण कीजिए (उल्लेखित चरित्र)

सीता, रजिया सुल्तान, लक्ष्मीबाई, सावित्री

पौराणिक	**ऎतिहीसिक**
1.	1. ....
2.	2. ....

Ans.

पौराणिक	**ऎतिहीसिक**
1. **सीता**	1. **रजिया सुल्तान**
2. **सावित्री**	2. **लक्ष्मी बाई**

बातों का जनाब, शऊर नहीं, शेखी न बघारें, हाँ चुप रहिए ।
हम उस धरती की लड़की हैं । जिस धरती की बातें क्या कहिए ।

अजी क्या कहिए, हाँ क्या कहिए ।
जिस मिट्टी में लक्ष्मीबाई जी, जन्मी थी झाँसी की रानी ।

रजिया सुलताना, दुर्गावती, जो खूब लड़ी थी मर्दानी ।
जन्मी थी बीबी चाँद जहाँ, पद्मिनी के जौहर की ज्वाला ।

सीता, सावित्री की धरती, जन्मी ऐसी-ऐसी बाला ।
गर डींग जनाब उड़ाएँगे, तो मजबूरन ताने सहिए, ताने सहिए, ताने सहिए ।

हम उस धरती की लड़की हैं...

A2) स्वमत :- 2

'पद्मिनी के जौहर की ज्वाला' इस विषय पर आठ-दस वाक्य लिखिए।

Ans. पद्मिनी चित्तौड़ के राजा महाराणा सांगा की पत्नी रानी कर्मावती थी।
प्राचीन काल में जब राजा-महाराजा युद्ध में वीरगति प्राप्त कर लेते थे तो दुश्मनों से अपनी अस्मत बचाने के लिए रानियाँ अग्नि में जलकर प्राणों की आहुति देती थी। जब राणा सांगा युद्ध में वीरगति को प्राप्त हूए तो कर्मावती ने मुगल बादशाह हुमायूँ को राखी भेजकर मदद मॉगी। हुमॉयू बहन की मदद के लिए निकला पर सही वक्त पर रानी तक नही पहुॅच पाया। निराश हो रानी पद्मिनी ने चौदह हजार औरतों के साथ अपनी इज्जत बजाने के लिए जौहर की ज्वाला में प्राणों की आहुति दे दी।

विभाग ४ - भाषा अध्यन (व्याकरण) : 14 अंक

Q.4 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(1) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए :- **(1)**

फूल अपनी गंध नहीं बेचेगा

Ans. गंध - विकारी (संज्ञा)

(2) निम्नलिखित अव्यय शब्दों मे से किसी एक का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :- **(1)**

(i) भाँति -

Ans. बेटा बिल्कुल अपने पिताजी की भाँति दिखता है।

(ii) कदापि -

Ans. भारत कश्मीर को कदापि भारत से अलग नहीं होने देगा।

(3) तालिका पूर्ण कीजिए (कोई एक) :- **(1)**

संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
i)	नि : + चय	....
ii) निरा धार	....	....

Ans.

संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
i) निश्चय	नि : + चय	विसर्ग संधि
ii) निरा धार	नि : + आधार	स्वर संधि

(4) सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए (कोई एक) :- **(1)**

(i) उन्होंने मेरा चयन कर लिया।

Ans. लिया

(ii) इसके बाद हम लोग दिन भर पणजी शहर देखते रहे ।

Ans. रहे ('रहना' क्रिया से)

(5) **'प्रथम' तथा 'द्‌वितीय' प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए (कोई एक) :-** **(1)**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्‌वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
i) फोड़ना	....	फुड़वाना
ii) तोड़ना	तुड़ाना	....

Ans.

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्‌वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
i) फोड़ना	**फुड़ाना**	फुड़वाना
ii) तोड़ना	तुड़ाना	**तुड़वाना**

(6) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए :-** **(1)**

बेटे की काली करतूत से पिताजी बेईज्जत हो गए।
(नाक कटना, नाम रोशन होना)

Ans. बेटे की काली करतूत से पिताजी की नाक कट गई।

अथवा

निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए

1)

Ans.

2)

Ans.

(7) **वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए :-** **(1)**

1) अरे, जरा दूध भिजवा देना |

Ans. अरे - संबोधनकारक

2) मानस पटल पर यादों की कतार लग गई।

Ans. पटल पर- अधिकरण कारक
यादों की - संबंधकारक

(8) **वाक्य में यथास्थान विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए :-** **(1)**

1) अम्मा सोती है जाऊँगी तो मारेंगी

Ans. "अम्मा सोती है, जाऊँगी तो मारेंगी ।"

2) मैं कह उठा मुझे तो कुछ याद नहीं पड़ता

Ans. मैं कह उठा, "मुझे तो कुछ याद नहीं पड़ता।"

(9) **सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए (कोई दो) :-** **(2)**

(i) क्या बात कही है तूने ? (सामान्य वर्तमानकाल)

Ans. क्या बात कहता है तू ?

(ii) मानू को ससुराल पहुँचाने मैं ही जा रहा था | (सामान्य भविष्य काल)

Ans. मानू को ससुराल पहुँचाने मैं ही जाऊँगा |

(iii)

Ans.

(10) **(i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए :-** **(1)**

आश्रम का विज्ञापन अखबार में नहीं दिया जाए |

Ans. निषेधात्मक

(ii) सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए :- **(1)**

आज बहुत गरमी है | (विस्मयार्थक वाक्य)

Ans. ओह ! आज बहुत गर्मी है |

(11) **वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए :-** **(2)**

(i) भाषा ईश्वर का बड़ा देन है।

Ans. भाषा ईश्वर की बड़ी देन है।

(ii) 1921 से आंदोलन तेज हो गई थी|

Ans. 1921 से आंदोलन तेज हो गए थे|

विभाग ५ - उपयोजित लेखन : 26 अंक

Q.5 (अ) **(1) पत्र लेखन -** **(5)**

निम्नलिखित जानकारी पर आधारित पत्रलेखन कीजिए : -

> अमित / अमिता पाटील, तेजस सोसाइटी, आंबेडकर रोड, अमरावती से अपनी सोसाइटी के अध्यक्ष को पत्र लिखकर गाड़ियॉ धोने के लिए टंकी के जिस जल का उपयोग किया जा रहा है, उस जल का पुन:उपयोग करने हेतु निवेदन करता / करती है ।

Ans. .

OR

अनय/अनया पाटील, 'गीतांजली', गुलमोहर रोड, अहमदनगर से अपनी छोटी बहन अमिता पाटील, 3, 'श्रीकृपा', शिवाजी रोड, नेवासा को राज्यस्तरीय कबड्डी संघ में चयन होने के उपलक्ष्य में अभिनंदन करने हेतु पत्र लिखता है/लिखती है।

Ans. .

(2) गदय आकलन - **(4)**

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर एक-एक वाक्य में उत्तरवाले चार ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर परिच्छेद में हों :-

> कक्षा अध्यापक ने गणित की परीक्षा ली । परीक्षा लेने से पहले उन्होंने सभी विद्यार्थियों से कहा, जो विद्यार्थी सबसे अधिक अंक प्राप्त करेगा उसे पुरस्कार दिया जाएगा। " परीक्षा में केवल एक ही प्रश्न दिया गया। सभी विद्यार्थी उस प्रश्न को हल करने और पुरस्कार प्राप्त करने में जुट गए। लेकिन प्रश्न अत्यन्त ही जटिल था, सरलता से उसे हल नहीं किया जा सका। सभी विद्यार्थि जी - जान से जुडे हुए थे। बहुत समय तक कोई भी विद्यार्थी उस प्रश्न को हल नहीं कर सका। अंत में एक बालक प्रश्न को हल करके अध्यापक के पास पहुँचा। अध्यापक महोदय ने प्रश्न और हल देखा और पाया कि हल सही है। उन्होंने इंतजार किया कि शायद अन्य और कोई विद्यार्थी भी सही हल निकाल कर लाए, किंतु

काफी देर तक कोई भी विद्यार्थी सही हल ना निकाल सका। समय पूरा हो चुका था। अध्यापक महोदय ने सही हल निकाल कर लाने वाले को पुरस्कार दिया । पुरस्कार प्राप्त विद्यार्थी नाचता - गाता खुशी से झुमता अपने घर पहुँचा। दूसरे सभी विद्यार्थी हैरान थे कि वह लड़का सही हल कैसे निकाल सका, क्योंकि पढ़ने - लिखने में वह बालक इतना तेज नहीं था। अगले दिन अध्यापक महोदय ज्यों ही कक्षा में आए वह विद्यार्थी रोने लगा। कहा कि यह पुरस्कार वापस ले लीजिए । मैं अपनी योग्यता से सही हल नहीं निकाल सका था। अध्यापक ने कहा,सही हल तुम्हें निकाले नहीं आया लेकिन धोखा देना भीं नहीं आता। धोखा देना और चोरी करना तुम्हारा स्वभाव नहीं है। गलती मान लेने वाले बालक बड़े होकर बड़ा नाम और काम करते हैं।

Ans. .

(आ) **(1) वृत्तांत लेखन -** **(5)**

अपने विद्यालय में मनाए गए 'बाल दिवस समारोह' का वृत्तांत लिखिए।
(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख करना अनिवार्य है।)

Ans. .

अथवा

कहानी लेखन - **(5)**

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखए, और उचित शीर्षक दीजिए :-

परहित सरिस धर्म नाहिं भाई, इस सुविचार पर अस्सी से सौ शब्दो मे कहानी लिखिए

Ans. .

(2) विज्ञापन लेखन - **(5)**

अंतरजाल से 'मेक इन इंडिया' योजना संबंधी जानकारी प्राप्त करके उसे बढ़ावा देने हेतु विज्ञापन तैयार कीजिए।

Ans. .

(इ) **निबंध लेखन -** **(7)**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए :-

(1) श्रम का महत्त्व

Ans. .

(2) दहेज प्रथा – एक अभिशाप

Ans. .

(3) वर्षा ऋतु

Ans. .